मेंटर-मेंटी सभा

डॉ. मो. मजिद मियां
सहायक अध्यापक
सन्योजक

श्री अग्रसेन महाविद्यालय द्वारा मेंटर-मेंटी सभा (जिसे पहले ट्यूटर-वार्ड सभा के नाम से जाना जाता था) की स्थापना की गई है, जिसका उद्देश्य कॉलेज में पढ़ने वाले छात्रों को उनके शैक्षणिक और पेशेवर भविष्य की बेहतरी के लिए सहायता और मार्गदर्शन प्रदान कर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना है। यह बहुत प्रभावी प्रणाली है जिसका उद्देश्य मेंटी और मेंटर के बीच तादात्म स्थापित करते हुए, मेंटर की सहायता से मेंटी और पूरे समाज के बीच की खाई को कम करना है। विद्यार्थियो को अध्ययन अर्थात डिग्री कार्यक्रमों के दौरान कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जिससे उन्हें शैक्षणिक और विभिन्न क्षेत्रो में सामंजस्य स्थापित करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। विद्यार्थियो के भविष्य से जुड़े विभिन्न समस्याओं से निपटने और उन्हें अपनी क्षमता के अनुसार शिक्षा और पेशे में उत्कृष्टता प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए ही महाविद्यालयो में मेंटर-मेंटी कार्यक्रम विकसित किया गया है।

हम संबंधित शिक्षक को मेंटर के रूप में आवंटित मेंटीज़ अर्थात विद्यार्थियो को नियमित संवाद के माध्यम से महाविद्यालय परिसर में नियमित मार्ग दर्शन करते हैं। हम उन्हें विश्वविद्यालय परीक्षाओं में सफलता पाने के लिए व्यक्तिगत परामर्श, करियर विकल्पों के बारे में मार्गदर्शन तथा अध्ययन के बारे में सुझाव प्रदान कर रहे हैं। हम मेंटीज़ को पाठ्यक्रम, कोर्स शुल्क, समीक्षा, नौकरियो में प्रवेश प्रक्रिया और छात्रवृत्ति आदि पर सटीक सामग्री के रूप में भी सहायता कर रहे हैं। यह योजना शिक्षक और छात्र के बीच की खाई को कम करने में बहुत सफल रही है तथा साथ ही यह प्रक्रिया संस्था के शिक्षार्थी और विद्यार्थी के परिवारवालो के बीच बड़े पैमाने पर सामंजस्यपूर्ण संबंधों को जोड़ने में सहायक बन गई है। इस प्रक्रिया ने निश्चित रूप से शिक्षण केंद्रो के प्रति लोगो में दृढ़ विश्वास और आस्था का माहौल बनाया है, जिसके परिणामस्वरूप, हर साल समाज के सभी वर्गों से विद्यार्थियो का नामांकन अनुपात तेजी से बढ़ रहा है। इस प्रक्रिया द्वारा हमारा लक्ष्य है कि सभी विद्यार्थी सही ढंग से शिक्षित हों और अपने करियर और समाज निर्माण की दिशा में सही कदम उठाएँ।

उद्देश्य और लक्ष्य

- ✓ शिक्षक और विद्यार्थियो के बीच की खाई को कम करना।
- ✓ शिक्षा से विद्यार्थियो के गुणवत्तापूर्ण प्रदर्शन को सुनिश्चित करना।
- ✓ विद्यार्थियो के समग्र विकास के लिए संबंधित मुद्दों से निपटना।
- ✓ आपसी सहयोग और अनुकूल शिक्षण वातावरण प्रदान करना।
- ✓ उच्च अध्ययन और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए प्रेरित करना।
- ✓ तनाव से संबंधित मुद्दों पर चर्चा कर विद्यार्थियो को तनाव मुक्त करना।
- ✓ शैक्षणिक भागीदारी को विनियमित कर, परिणाम का आकलन करना।

कार्यक्रम विवरण

- ✓ कार्यक्रम के पहले वर्ष से ही शिक्षको को विद्यार्थियो के मार्गदर्शक काम सौंपा जाना।
- ✓ एक मार्गदर्शक (मेंटोर) के पास एक समय में 30 से अधिक प्रशिक्षु (मेंटी) नहीं होने चाहिए।
- ✓ कार्यक्रम के शुरुआती समय से पूरी अवधि के लिए एक ही मार्गदर्शक के साथ प्रशिक्षुओ को जोड़े रखना चाहिए।
- ✓ मार्गदर्शक, प्रशिक्षुओं से नियमित रूप से मिलेंगे और बैठक के परिणाम को हार्ड कॉपी में दर्ज करेंगे।
- ✓ मार्गदर्शक द्वारा प्रत्येक प्रशिक्षु के बारे में विवरण दर्ज किया जाएगा और उस विवरण को समय-समय पर अपडेट किया जाएगा।
- ✓ मार्गदर्शक पाठ्यक्रम या सह-पाठयक्रम से जुड़े गतिविधियों में असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन करने वाले शिक्षार्थियों की पहचान करेंगे और उन्नत/प्रतिभाशाली शिक्षार्थियों को और अधिक प्रेरणा प्रदान करने के लिए संस्थान/विभाग के प्रमुख को परिणाम सुपेंगे।
- ✓ मार्गदर्शक उन शिक्षार्थियों की भी पहचान करेंगे जिनका प्रदर्शन/उपस्थिति औसत से कम है। मार्गदर्शक, शिक्षार्थियों के साथ बातचीत करेंगे और समस्या या उदासीन व्यवहार का कारण जानने का प्रयास करेंगे। यदि आवश्यक हो तो मार्गदर्शक, शिक्षार्थियो को सुधारने के लिए उनके माता-पिता तथा विभाग के प्रमुख को शामिल करेंगे।
- ✓ **उपस्थिति**: मार्गदर्शक प्रशिक्षु की उपस्थिति का निरीक्षण और निगरानी करेंगे। मार्गदर्शक उन शिक्षार्थियों को सलाह देगा और आवश्यक कारवाई करेगा, जो कॉलेज के उपस्थिति मानदंडों को पूरा नहीं करते हैं।

- ✓ **शैक्षणिक मामले** मार्गदर्शक निरंतर शिक्षुओं का मूल्यांकन, अवधि और परीक्षा सहित शैक्षणिक प्रदर्शन पर भी नज़र रखता और यदि आवश्यक हो तो परामर्श का माध्यम से या उपचारात्मक शिक्षण की व्यवस्था करके प्रशिक्षुओ की मदद करता।
- ✓ मार्गदर्शक, शिक्षार्थियों के व्यवहार और अनुशासन संबंधी मामले देखता।
- ✓ मार्गदर्शक, शिक्षार्थियों के स्वास्थ्य और शारीरिक तंदुरुस्ती के मामले देखता।
- ✓ मार्गदर्शक, शिक्षार्थियों के उपलब्धियाँ, प्रतिभाएँ और सह-पाठयक्रम गतिविधियाँ देखता।
- ✓ मार्गदर्शक, शिक्षार्थियों के तनाव संबंधी मुद्दे देखता।

मेंटर के कर्तव्य/जिम्मेदारी

- ✓ मेंटर-मेंटी प्रनाली की अवधारणा का परिचय देना और उस पर चर्चा करना।
- ✓ सभी मेंटी की बैठक बुलाना और निर्धारित फॉर्म में उनके आवश्यक विवरण दर्ज करना तथा छात्रों की किसी विशेष आवश्यकता को लिपिबद्ध करना और उनके साथ भविष्य की बैठकों की पूरी अनुसूची पर चर्चा करना।
- ✓ परीक्षा विभाग और छात्रावास अधिकारियों आदि के साथ बातचीत करके शिक्षार्थियों की उपस्थिति, शैक्षणिक प्रदर्शन और व्यवहार संबंधी पहलुओं पर नज़र रखना।
- ✓ छात्रों को शैक्षणिक और भावनात्मक रूप से सहायता प्रदान करना।
- ✓ जब भी आवश्यक हो, अपने मेंटीज की प्रगति की जानकारी देने के लिए माता-पिता से संपर्क करना और साल में कम से कम दो बार मेंटीज के घर जाना।
- ✓ पहचाने गए कम प्रदर्शन करने वाले छात्रों की प्रगति का लेखा-जोखा रखना और जहाँ भी आवश्यक हो, सुधारात्मक कारवाई करना।
- ✓ छात्रों का मार्गदर्शन करना और आवश्यकता पड़ने पर सुधारात्मक शिक्षण की व्यवस्था करना।

मेंटी के कर्तव्य/जिम्मेदारी

- ✓ नियमित रूप से बैठक में भाग लें।
- ✓ मेंटर-मेंटी सिस्टम में शामिल होने के समय फॉर्म में व्यक्तिगत जानकारी भरें।
- ✓ जब भी पदाधिकारि द्वारा पूछा जाए तो मेंटर को उपस्थिति, सतत मूल्यांकन, सत्रांत परीक्षा, सह-पाठयक्रम, पाठ्येतर गतिविधियों का विवरण प्रदान करें।
- ✓ मेंटर पर विश्वास रखें और जब भी आवश्यकता हो, उनकी सलाह लें।

वीडिका